मुख्य परीक्षा

प्रश्न- भारत में गैर-सरकारी संगठनों के कामकाज और उनके धन के बारे में हाल ही में हुए विवादों को देखते हुए, क्या आपको लगता है कि इंटरनेट और संचार उपकरण इस संबंध में सुधार कर सकते हैं? चर्चा करें।

(200 शब्द)

Looking at the recent controversies regarding the funcitioning and funding of NGOs in India, do you think that the internet and communication tools can reforms in this regard? Discuss.

(200 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में एनजीओ क्या है? बतायें।
- पैरा चेंज करते हुए गैर सरकारी संगठन के हाल ही में हुए विवाद एवं उनके कामकाज के बारे में चर्चा करें।
- अगले पैरा में इंटरनेट और संचार उपकरण एनजीओ के क्षेत्र में किस तरह से सुधार कर सकते हैं? चर्चा करें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- गैर सरकारी संगठन से आशय सामान्यत: ऐसे संगठनों से है, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत किये जाते हैं और सरकार के नियंत्रण से मुक्त होकर अपनी गतिविधियों का संचालन करते हैं।

एनजीओ को रिपोर्ट देने के लिए सभी राज्यों में एक समान कानून नहीं है, कुछ राज्यों में एनजीओ पर वार्षिक रिपोर्ट देने की बाध्यता नहीं है।

एनजीओ पर धन के दुरूपयोग एवं वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं। इस प्रकार कुछ एनजीओ में भ्रष्टाचार व्याप्त रहा है।

एनजीओ और प्रशासन के मध्य भ्रष्ट गठजोड़ विकसित हुआ है। विगत वर्षों में अनेक उदाहरण उत्पन्न हुये हैं। जहां लोक प्राधिकारियों और एनजीओ ने मिलकर भ्रष्टाचार किये हैं, जैसे बिहार का सृजन घोटाला।

इंटरनेट एवं संचार उपकरण इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं-

- एनजीओ को वार्षिक रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु, विदेशों से प्राप्त धन का लेखा-परीक्षण एवं उनके द्वारा खर्च संपूर्ण धन का लेखा-परीक्षण इत्यादि करने में इंटरनेट एवं संचार संसाधनों की प्रभावशाली भूमिका हो सकती है।
- इंटरनेट एवं संचार तकनीक का प्रयोग करते हुए रजिस्ट्रेशन की सुविधा आसान हो जायेगी और भ्रष्ट संगठनों की सूची भी आसानी से प्राप्त हो सकेगी।
- इंटरनेट के माध्यम से पंजीकृत एनजीओं को अपने वित्तीय विवरण को अपलोड करना अनिवार्य किया जा सकेगा। इससे उनकी जवाबदेहिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार को कम किया जा सकेगा।